अभी तक जितने भी वेतन आयोग बनाए गए हैं, उन्होंने अपनी समयावधि के अंदर अपनी सिफारिश प्रस्तुत की है। इसलिए आवश्यक यह है कि यह जो पांचवां वेतन आयोग है, यह भी अगस्त, 96 तक आवश्यक रूप से अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करे, ऐसा मैं आप के माध्यम से सरकार से आग्रह करता हूं।

श्रीमती कमला सिन्हा: तत्काल इंटेरिम रिलीफ भी दीजिए।

RE. HUNDRED CRORE RUPEES WORTH PADDY SCAM REPORTED IN PUNJAB

श्री भूपेन्द्र सिंह मान (नाम निर्देशित): उपसभाध्यक्ष महोदय, पंजाब में कल के अखबारों में मुख्य रूप से यह रिपोर्ट आयी हुई है कि सौ करोड़ पैडी का घोटाला पंजाब में पकड़ा गया है। इस बात की चर्चा पहले से होती रही है कि पंजाब में जो धान या गेहूं पैदा होता है, वास्तव में उसको प्रैक्योरमैंट ऐजेंसी खरीदती है, उसमें घोटाला होता है, चोरी होती है। उससे किसानों को नुकसान होता है क्योंकि सारा बोझ किसानों पर जाता है और घोटाला करने वाले उसे लूट ले जाते हैं। इसके तथ्य बहुत देर से सामने आ रहे थे और आते-आते जब यह भंडा फूटा है तो दो लाख टन पैडी इस वक्त पंजाब के गोदामों में फिजिकल वैरीफिकेशन में कम पायी गयी है। जो परचेज किया गया, उससे कम निकला है।

दूसरी चीज जिस भाव से प्रैक्योरमैंट ऐजेंसी ने एफ. सी.आई. को चावल बेचना था, उसका भाव कम कर दिया गया। मिसाल के तौर पर सुपर फाइन का 442 रुपये रेट देना था लेकिन उसके बाद उसे कम करके 395 और बाद में 330 कर दिया गया। एक झटके से 112 रुपये राइस मिलर को ज्यादा देना घोटाला नहीं तो और क्या है? सिर्फ यही नहीं इसका मोडस ऑपरेंडी था कि क्वालिटी के आधार पर प्रैक्योरमैंट ऐजेंसी रिजैक्ट करती रही और कहती रही कि क्वालिटी ठीक नहीं है। जब कि मंडी का भाव उससे कहीं ऊपर था, 500 के आस-पास था। इसके अतिरिक्त 50 करोड़ के आस-पास जो पैनलटीज वहां से मिल सकती थी, उनको जान-बूझकर खत्म किया जा रहा है। यह तो वही बात हुई कि "मुंह खाए और आंख शरमाए।" जिन्होंने रिकवर करना है, उन्हीं का तो उसमें हाथ है। इसके अतिरिक्त पंजाब में इस साल 20 रुपये क्विंटल सरकार द्वारा अनाउंस किए गए भाव से कम दिया गया, यह कहकर कि वह सुपर फाइन वैरायटी नहीं है। 180 करोड़ रुपये इस तरीके से लूटे गये। 90 लाख टन के आस-पास पैडी थी और 180 करोड़ रुपये के आस-पास लूटे गये। अगर इसी में अंत हो जाता तो भी शायद कुछ न होता। बात यहां तक है कि वहां राइस मिलर्स को भी स्क्वीज किया जाता है और फार्मर्स को भी स्क्वीज किया जाता है। क्या सौ करोड़ के आस-पास रिश्वत है? पैडी से चावल बनाकर उसकी प्रैक्योरमैंट होती है ...(व्यवधान)

उपसभाध्यक्ष (श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी): आप विवरण में न जाएं।

श्री भूपेन्द्र सिंह मान: इस प्रकार से इस सारे को यदि देखें तो हजारों करोड़ रुपया किसानों का लूटा जाता है। उन लोगों का, जो वास्तव में पैदा करते हैं, जो गांव में रहते हैं, जिनको देश की रीढ़ की हड्डी कहा जाता है। जब यह हालत होती है तो किसी को गुस्सा आना स्वाभाविक है। यदि कोई इंसाफ मांगे तो उसे इंसाफ न देना और उसको कभी कुछ तो कभी टैररिस्ट कहना ठीक नहीं है। यह मिसाल सामने आ रही है कि इस बहाने से इंसाफ मांगने वाले लोगों को दबाने की कोशिश की जा रही है। इसलिए मैं कहना चाहता हूं कि इस सबकी गंभीरता से इन्क्वायरी होनी चाहिए और कम से कम इसकी इंक्वायरी सी.बी. आई. से तो होनी ही चाहिए क्योंकि हमें लगता है कि सी. बी.आई. काफी अच्छी तरह से काम कर रही है। यह बहुत बड़ा स्कैंडल है इसलिए मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि इसकी जांच गंभीरता से होनी चाहिए।

RE. KILLINGS OF LABOURERS BELONGING TO UTTAR PRADESH AND BIHAR IN KUPPAWARA DISTRICT OF JAMMU AND KASHMIR ON 7.7.1996

श्री नारायण प्रसाद गुप्ता (मध्य प्रदेश): उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से बड़े दुख के साथ और चिंता के साथ एक प्रश्न उठाना चाहता हूं। शायद यह सदन के नोटिस में अभी नहीं आया है या दबा दिया गया है। कश्मीर वैली में कुपवाड़ा जिले के बाराकोटा गांव में आतंकवादियों ने ईंट भट्टी पर काम करने वाले 11 मजदूरों की गोली मारकर हत्या कर दी और 6 को घायल कर दिया। 5 मई को इसी प्रकार की घटना नेपाली मजदूरों के साथ कश्मीर वैली में हो चुकी है। पिछले दिनों कांग्रेस की सरकार थी, अब संयुक्त मोर्चे की सरकार है।

क्या यह मैं जान सकता हूं कि हिन्दुस्तान में लोगों की जानें इतनी सस्ती हैं? रोज़ किसी एरिया में 10, 12, 15 हत्याएं होती जायें, उनको दबा दिया जाये, उन पर कोई कार्रवाई नहीं हो, यह चिन्ता का विषय है और इस बारे में मैं बहुत संक्षेप में यह कहना चाहता हूं कि आप इस आतंकवाद को कब खत्म करना चाहते हैं? यह इस बात का सबूत है कि अब नेपाल से, बिहार से और उत्तर प्रदेश से गये हुए गरीब मजदूर जो ईंट-भट्टों पर काम करते हैं, उनको एक लाइन में खड़े कर के 11 लोगों की हत्याएं कर